लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2295

24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र का कार्य-निष्पादन

2295. श्री प्रताप सिम्हाः

कुमारी शोभा कारान्दलाजेः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत विश्व में इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और इस्पात क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी में 2 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या द्वितीयक इस्पात क्षेत्र कुल कच्चे इस्पात उत्पादन का 34 प्रतिशत से अधिक और कुल तैयार इस्पात के उत्पादन का 42.86 प्रतिशत का योगदान करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय ने पहली बार द्वितीयक क्षेत्र पुरस्कार शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए निर्धारित चयन-मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या द्वितीयक क्षेत्र में समग्र और एकल इस्पात उत्पादन और प्रसंस्करण इकाइयां शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एक वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक इस्पात उद्योग सृजित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) क्या देश में इस्पात का उपयोग 70 किलोग्राम प्रति व्यक्ति पहुंच गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और द्वितीयक इस्पात क्षेत्र के कार्य-निष्पादन और उत्पादन की गुणवत्ता को सुधारने के कदमों को प्रोत्साहित करने हेतु क्या पहल की गई है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वर्ष 2015, 2016 और 2017 में चीन और जापान के बाद भारत क्रूड इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक था। तथापि, वर्ष 2018 में (अक्टूबर, 2018 तक) भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया। राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में घरेलू इस्पात उद्योग 2% (लगभग) का योगदान करता है।

विश्व के शीर्ष 3 क्रूड इस्पात उत्पाद देश: 2015, 2016, 2017

2015			2016			2017*		
स्थान	**देश**	**मात्रा (एमटी)**	**स्थान**	**देश**	**मात्रा(एमटी)**	**स्थान**	**देश**	**मात्रा(एमटी)**
1	चीन	803.8	1	चीन	807.6	1	चान	831.7
2	जापान	105.1	2	जापान	104.8	2	जापान	104.7
3	भारत	89.0	3	भारत	95.5	3	भारत	101.4
स्रोत: वर्ल्ड स्टील; *अनंतिम भारत को छोड़कर;एमटी=मिलियन टन								

विश्व क्रूड इस्पात उत्पादन: जनवरी-अक्टूबर 2018 (पी)			
स्थान	**देश**	**मात्रा (एमटी)**	**वर्ष-दर-वर्ष बदलाव**
1	चीन	782.46	6.4
2	भारत	88.43	5.6
3	जापान	87.19	-0.1
स्रोत: वर्ल्डस्टील; पी= अनंतिम; एमटी=मिलियन टन			

(ख): जी हाँ। सेकेंडरी इस्पात क्षेत्र क्रूड इस्पात के कुल उत्पादन में 42.4 प्रतिशत और सकल फिनिश्ड इस्पात उत्पादन में 45.5 प्रतिशत का योगदान करता है।

(ग): इस्पात मंत्रालय ने वर्ष 2018 में पहली बार सेकेंडरी इस्पात क्षेत्र को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए पुरस्कार देने की व्यवस्था आरंभ की है। कुल 26 पुरस्कार प्रदान दिए गए थे। पुरस्कार प्राप्त करने वालों का चयन दो टीयर वाले तंत्र, जिसमें मूल्यांकन समिति और चयन समिति शामिल हैं, द्वारा किया गया था। आवेदकों का मूल्यांकन ओब्जेक्टिव और सब्जेक्टिव मापदंडों के आधार पर किया गया था।

(घ): सेकेंडरी क्षेत्र में स्टेंडएलोन यूनिटें (केवल एकल प्रोसेसिंग सुविधा वाली) और कम्पोसिट यूनिट (एक से अधिक प्रोसेसिंग सुविधा वाली) शामिल है। सेकेंडरी इस्पात क्षेत्र अवार्ड, सेकेंडरी इस्पात क्षेत्र को और अधिक ऊर्जा दक्ष और प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किए गए हैं।

(ङ): जी नहीं, वर्ष 2017-18 के दौरान भारत में कुल फिनिश्ड इस्पात (नॉन अलॉय+अलॉय / स्टेनलेस) की प्रति व्यक्ति खपत 68.9 कि.ग्रा. थी।

उत्पादन की गुणवत्ता और निष्पादन में सुधार हेतु सेकेंडरी इस्पात क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

1. ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों और नवाचार उपायों को ग्रहण करने हेतु प्रोग्रेसिव यूनिटों को मान्यता प्रदान करने और प्रोत्साहित करने हेतु अवार्ड स्कीम को आरंभ करना।
2. एंटी-डंपिंग उपायों के जरिए विदेशों द्वारा कम लागत वाले आयातों से घरेलू उत्पादकों को बचाना।
3. इस्पात एवं इस्पात उत्पादों पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को लगाने के जरिए गुणवत्ता को बढ़ाने पर ध्यान देना। इन आदेशों के कार्यान्वयन से लगभग 85-90% इस्पात और इस्पात उत्पाद देश में खप जाएंगे।

*****